AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रो. पीयूष दूरस्थ शिक्षा केंद्र के निदेशक

लखनऊ। लविवि प्रशासन ने प्रो. पीयूष भार्गव को दूरस्थ शिक्षा केंद्र का निदेशक बनाया है। इसके अतिरिक्त प्रो. अंचल श्रीवास्तव को उपनिदेशक व डॉ. अल्पना को सहायक निदेशक नियुक्त किया गया है। लविवि परिसर में पहली बार दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा की शुरुआत होने जा रही है। इससे छात्र घर बैठे भी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। कुलसचिव प्रो. संजय मेधावी ने बताया कि सभी शिक्षक पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले तीन वर्ष तक अपने पद बने रहेंगे। (संवाद)

अर्थशास्त्र विभाग में पीएचडी कोर्स वर्क शुरू

लखनऊ। लविवि के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को पीएचडी के नव प्रवेशित शोधार्थियों का कोर्स वर्क शुरू कराया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. एमके अग्रवाल ने शोधार्थियों को विभाग की विशेषताओं से परिचय कराते हुए शोध की मूल अवधारणा को परिभाषित किया। उन्होंने छात्रों को बाजार के हिसाब से स्वयं को तैयार के लिए प्रेरित किया। संकाय अध्यक्ष प्रो. अरविंद अवस्थी ने कहा कि समाजोपयोगी शोध करें। इस मौके पर प्रो. अशोक कुमार, प्रो. विनोद सिंह व डॉ रोली मिश्रा आदि मौजूद रहे। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में सत्र 2022-23 में प्रवेश लेने वाले नए पीएचडी विद्यार्थियों की कक्षाएं 29 मई से शुरू होंगी। (संवाद)

लविवि : 23 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 23 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। संकाय के प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि संकाय के 22 विद्यार्थियों का चयन एकैडमोर कंपनी में एकेडमिक काउंसलर के पद पर हुआ है। इसके अलावा एमसीए के भी एक छात्र को इसी पद के लिए अर्ह पाया गया है। सभी छात्रों को ट्रेनिंग होगी। इस दौरान इन्हें 25 से 35 हजार रुपये मानदेय मिलेगा। ट्रेनिंग के बाद इन्हें अधिकतम 8.5 लाख तक का सालाना पैकेज दिया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों में आकांक्षा वर्मा, आशीष कुमार, आयुष, दिनेश कुमार, ज्योति यादव, कसक, प्रियंका, सार्थक, शिवांगी, आशीष चौधरी, कोमल, फहीम खान, राज जायसवाल, रश्मि मिश्रा, ऋतिक अग्रवाल, साक्षी वर्मा, आशुतोष रंजन, हिमांशु, मिथलेश कुमार, प्रज्ञा पांडेय, शंकर, अभिषेक पांडेय व विमल मिश्रा शामिल हैं। सभी को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

NBT PAGE 4

अब पीजी कोर्स चलाने वाले कॉलेज ही करवाएंगे पीएचडी

संशोधित पीएचडी अध्यादेश में इस बिन्दु को भी जोड़ने की तैयारी में लखनऊ यूनिवर्सिटी

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

अब वही कॉलेज पीएचडी कराने के लिए अर्ह होंगे, जहां परास्नातक कोर्स संचालित किए जा रहे होंगे। एनईपी-2020 में साफतौर पर इसके निर्देश दिए गए हैं। लिहाजा एलयू पीएचडी ऑर्डिनेंस में इस विन्दु को जोड़ने जा रहा है। एलयू में संशोधित पीएचडी ऑर्डिनेंस तैयार किया जा रहा है। जिसके आधार पर सत्र 2023-24 पीएचडी कार्यक्रम में दाखिले लिए जाएंगे।

पीएचडी ऑर्डिनेंस में किए गए हैं कई बदलाव

एलयू की डीएसडब्ल्यू प्रो.पूनम टंडन ने बताया कि पीएचडी ऑर्डिनेंस में कई बदलाव किए गए हैं। जिसमें प्रवेश के लिए दो विकल्प, दिव्यांगों को पीएचडी पूरी करने के लिए 10 वर्ष का समय और विदेशी परीक्षक सहित अन्य कई तरह के बदलाव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एनईपी-2020 में साफतौर पर दिया गया है कि वहीं कॉलेज या डिपार्टमेंट पीएचडी करा सकते हैं, जहां पीजी कोर्स चल रहे होंगे। लिहाजा एलयू भी पीएचडी ऑर्डिनेंस में इस विन्दु को जोड़ रहा है। इसके साथ दो स्थायी शिक्षक कार्यरत होना भी आवश्यक है। इस संबंध में यूजीसी ने सर्कुलर भी जारी किया है। जल्द ही एलयू में ऑर्डिनेंस कमिटी की बैठक इस विन्दु को लेकर बुलाई जाएगी। कमिटी से पास करा इसे पीएचडी ऑर्डिनेंस में जोड़ दिया जाएगा। एडमिशन सेल की ओर से पीएचडी सत्र 2023-24 के एडमिशन अगस्त माह में शुरू करने की योजना है।

30 जून तक डिप्लोमा इन गाइडेंस साइकोलॉजी में आवेदन

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊः मनोविज्ञानशाला, प्रयागराज की ओर से संचालित डिप्लोमा इन गाइडेंस साइकॉलजी(डीजीपी) के सत्र 2023-24 के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। अभ्यर्थियों के लिए 30 जून की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। मंडलीय मनोविज्ञान केंद्र, फ्ठ मंडल के मंडलीय मनोवैज्ञानिक एके सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी www.bureauofphychologyup.org से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

सीयूईटी से एमबीए और बीटेक कंप्यूटर साइंस में सबसे अधिक आवेदन

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

कंवाइंड यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के माध्यम से भाषा विवि में पीजी में एमबीए और यूजी में बीटेक कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में सबसे अधिक आवेदन आए हैं। सीयूईटी से प्रवेश लेने के बाद विवि बची हुई सीटों पर अपने स्तर से भी प्रवेश लेगा।

विवि की पीआरओ डॉ.रुचिता ने बताया कि भाषा विवि में सीयूईटी के जरिए पीजी के 19 कोर्सों के लिए 45,330 आवेदन किए गए हैं। पीजी में सीयूईटी के जरिए एमबीए/एमबीए फइनेंस में सबसे अधिक 12,538 आवेदन आए हैं। दूसरे नंबर पर एमसीए के लिए आवेदनों की संख्या 5616 आवेदन किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वहीं यूजी में सीयूईटी के जरिए 31 कोर्सों के लिए 60,164 आवेदन मिले हैं। विवि को सीयूईटी के जरिए यूजी में सबसे अधिक बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजिनियरिंग के लिए 6,843 आवेदन मिले हैं। वहीं बीटेक कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग के लिए 4,879 आवेदन किए गए हैं।

भाषा विवि यूजी और पीजी में सीयूईटी के अलावा अपने स्तर से भी लेगा प्रवेश

आवेदन की तारीख बढ़ाई, अब 10 जून तक : भाषा विवि के एडमिशन क्वॉर्डिनेटर प्रो.सैय्यद हैदर अली के मुताबिक, यूजी और पीजी में प्रवेश के लिए आवेदन की डेट अभी तक 23 मई थी जो अब 10 जून कर दी गई है। सीयूईटी से जो सीटें बचेंगीं, उन पर विवि अपने स्तर से प्रवेश लेगा। विवि ने अपने स्तर से भी आवेदन मांगे हैं। एमबीए, बीटेक, एमटेक, एमसीए और टेक्निकल कोर्सों में प्रवेश एंट्रेस टेस्ट के आधार पर लिए जाएंगे जबकि अन्य कोर्सों में मेरिट के आधार पर प्रवेश लिया जाएगा।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू से संबद्ध पीजी कॉलेज ही अब करा सकेंगे पीएचडी

तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। परास्नातक कक्षाएं संचालित कराने वाले कॉलेज ही पीएचडी करा सकेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी आर्डिनेंस में संशोधन की तैयारी है। अभी तक स्नातक स्तर के कॉलेज भी पीएचडी करा सकते थे। नए अध्यादेश में यह व्यवस्था समाप्त होगी। एलयू से संबद्ध वही कॉलेज पीएचडी करा सकेंगे जहां पीजी के कोर्स संचालित होंगे। बताया जा रहा है कि सत्र 2023-24 में नए अध्यादेश के हिसाब से ही दाखिले लिए जाएंगे।

पीएचडी अध्यादेश में कई तरह के बदलाव प्रस्तावित हैं। जिसमें प्रवेश के लिए दो विकल्प, दिव्यांगों को पीएचडी पूरी करने के लिए 10 साल और विदेशी परीक्षक सहित अन्य कई तरह के बदलाव शामिल हैं। इसी तरह संशोधित पीएचडी ऑर्डिनेंस में एक बिंदु और जोड़ने की तैयारी है। जिसके तहत अब वही कॉलेज पीएचडी कराने के लिए अर्ह होंगे जहां परास्नातक कोर्स संचालित किए जा रहे हों। साथ ही दो स्थायी शिक्षक कार्यरत हों। इस संबंध में यूजीसी ने सर्कुलर भी जारी किया है। जिसे विश्वविद्यालय ने संशोधित ऑर्डिनेंस में शामिल करने का मन बना लिया है। जल्द ही ऑर्डिनेंस कमेटी की बैठक बुलाई जाएगी जिसमें यह मुद्दा रखा जाएगा। गौरतलब है कि संशोधित पीएचडी ऑर्डिनेंस को यूजीसी के नियमों के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मद्देनजर बनाया जा रहा है। फिलहाल एडमिशन सेल की ओर से पीएचडी सत्र के एडमिशन अगस्त में शुरू करने की योजना है।

पीएचडी में प्रवेश के लिए मिलेंगे दो विकल्प

संशोधित अध्यादेश में एक अहम बदलाव किया गया है। इसके तहत चार साल के स्नातक व एक साल का परस्नातक करने के बाद या फिर चार साल के स्नातक में 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने पर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने का मौका दिया जाएगा।

दिव्यांगों को पीएचडी के लिए मिलेंगे 10 साल

अध्यादेश में दिव्यांगों को पीएचडी पूरा करने के लिए दस साल का समय दिया जाएगा। आठ की जगह बारह क्रेडिट का प्रावधान रखा गया है। जिसके लिए शोधार्थियों को एथिक्स का पेपर पढ़ाया जाएगा। साथ ही एक विदेशी परीक्षक होगा जो छात्रों की थेसिस चेक करेगा।

एलयू के 23 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। एलयू के अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 23 छात्र-छात्राओं का एकैडमोर कम्पनी में कैंपस प्लेसमेंट हुआ। कम्पनी ने बीटेक के 22 छात्रों को ट्रेनिंग के दौरान 15000 प्रतिमाह एवं 10,000 का इंसेंटिव और ट्रेनिंग के बाद अधिकतम 6.5 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज दिया है। एमसीए के छात्र को ट्रेनिंग के दौरान 18 हजार प्रतिमाह एवं 10000 इंसेंटिव और ट्रेनिंग के बाद अधिकतम 8.5 लाख प्रतिवर्ष पैकेज ऑफर दिया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

एलयू के छात्रों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकीय संकाय संकाय की ओर से आयोजित कैंपस प्लसमेंट ड्राइव के तहत 23 विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि एकैडमोर कम्पनी में बीटेक के 22 छात्र-छात्राओं का चयन एकेडमिक काउंसलर के पद पर हुआ है। कम्पनी ने बीटेक के छात्रों को ट्रेनिंग के दौरान 15000 प्रतिमाह एवं 10,000 का इंसेंटिव और ट्रेनिंग के बाद अधिकतम 6.5 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज और एमसीए के छात्र को ट्रेनिंग के दौरान 18,000 प्रतिमाह एवं 10000 इंसेंटिव और ट्रेनिंग के बाद अधिकतम 8.5 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज ऑफर किया है।

JAGRAN CITY PAGE III

विज्ञान कांग्रेस : दिखाई जाएगी डाक्यूमेंट्री, होंगे कई कार्यक्रम

लवि में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की तैयारी को लेकर डीएसडब्लू कार्यालय में बैठक में शामिल प्रो. पूनम टंडन, प्रो. एसपी त्रिवेदी व अन्य शिक्षक ● सौजन्य : लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन से छह जनवरी तक होने वाले 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सम्मेलन में 14 सत्र एवं छह कार्यक्रम होंगे। विज्ञान के प्रति छात्र-छात्राओं का रुझान बढ़ाने के लिए डाक्यूमेंट्री, पपेट शो सहित कई चीजें भी दिखाई जाएंगी। इसके अलावा वूमेंस साइंस में विज्ञान के क्षेत्र में वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों को बतौर स्पीकर को आमंत्रित किया जाएगा। गुरुवार को इस संबंध में अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं स्थानीय सचिव प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में बैठक हुई।

डीएसडब्ल्यू कार्यालय में हुई बैठक में आयोजन सचिव प्रो. एपी त्रिवेदी, स्थानीय सचिव प्रो. अंचल श्रीवास्तव व डा. ज्योत्सना सिंह, प्रो. मुकुल श्रीवास्तव और प्रो. शैली मलिक उपस्थित रहीं। इसमें छह कार्यक्रमों में से वूमेंस साइंस कांग्रेस, चिल्ड्रेन साइंस कांग्रेस, साइंस कम्युनिकेटर मीट आदि पर चर्चा हुई।

गूगल फार्म भरकर बताएं, कौन सी कमेटी में जुड़ना चाहते हैं : लवि ने विज्ञान कांग्रेस के लिए बनी विभिन्न समितियों में डिग्री कालेजों के शिक्षकों को स्वेच्छा से जुड़कर काम करने का मौका दिया है। गुरुवार को इसके लिए गूगल फार्म https://forms.gle/LeedCRUCqbUtD6JY7 का लिंक जारी कर 28 मई तक अपनी वरीयता बताने के लिए कहा है।

लवि के 23 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से हुए प्लेसमेंट ड्राइव में 23 छात्र-छात्राओं का एकैडमोर कंपनी में कैंपस प्लेसमेंट हुआ। गुरुवार को प्लेसमेंट के परिणाम जारी किए गए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी।

प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि कंपनी में बीटेक की आकांक्षा वर्मा, आशीष कुमार, आयुष कुमार, दिनेश कुमार, ज्योति यादव, कसक, प्रियंका, सार्थक द्विवेदी, शिवांगी, आशीष प्रताप चौधरी, कोमल, फहीम खान, राज जायसवाल, रश्मि मिश्रा, ऋतिक अग्रवाल, साक्षी वर्मा, आशुतोष रंजन, हिमांशु, मिथिलेश यादव, प्रज्ञा पांडेय, शंकर कुमार एवं अभिषेक पांडेय और एमसीए के छात्र विमल मिश्रा का चयन एकेडमिक काउंसलर के पद पर हुआ है। कंपनी ने ट्रेनिंग के दौरान 15,000 प्रतिमाह एवं 10,000 का इंसेंटिव और ट्रेनिंग के बाद अधिकतम 6.5 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज आफर किया है। एमसीए के छात्र को ट्रेनिंग के दौरान 18,000 प्रतिमाह एवं 10000 इंसेंटिव और ट्रेनिंग के बाद अधिकतम 8.5 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज मिलेगा।

नई टीम को मिली आनलाइन कोर्स शुरू कराने की जिम्मेदारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र से बीबीए व बीकाम की आनलाइन कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने पहले बनाई गई टीम में बदलाव करते हुए तीन शिक्षकों को जिम्मेदारी दी है। इनमें एआइएच विभाग के हेड प्रो. पीयूष भार्गव को लवि सेंटर फार आनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन का निदेशक, फिजिक्स की प्रो. अंचल श्रीवास्तव को उप निदेशक व डा. अर्पणा गोडबोले सहायक निदेशक बनाया गया है। इन कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन साल या अग्रिम आदेशों तक होगा। अब यह टीम आनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कोर्स शुरू कराने को लेकर काम करेंगी।

कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि जुलाई सत्र से बीबीए और बीकाम में आनलाइन पढ़ाई शुरू होनी है। इसके लिए नई कमेटी बनाई गई है। कमेटी तय करेगी कि दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कितनी संख्या निर्धारित की जाए। अभी यह तय नहीं है कि आनलाइन कोर्स में प्रवेश कैसे दिए जाएंगे। यह भी विकल्प देने पर विचार किया जा रहा है कि यदि जिन अभ्यर्थियों का लवि के इन कोर्स में प्रत्यक्ष रूप से प्रवेश नहीं होता है तो उन्हें आनलाइन वाले में प्रवेश का मौका दिया जाए।

● लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया टीम में बदलाव

i-NEXT PAGE 5

लवि : अधूरे प्रस्ताव पर नहीं आवंटित होंगे विषय विशेषज्ञ

जासं, लखनऊ : लवि से सम्बद्ध महाविद्यालयों की ओर से आधे-अधूरे प्रपत्रों के साथ आने वाले प्रस्ताव पर विषय विशेषज्ञ आवंटित नहीं किए जाएंगे। कुलसचिव संजय मेधावी ने डिग्री कालेजों को गाइडलाइन जारी कर दी है।

लवि से लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, रायबरेली व लखीमपुर खीरी जिले को लेकर 545 महाविद्यालय सम्बद्ध हैं। इनमें 350 से ज्यादा सेल्फ फाइनेंस कालेज हैं। लवि प्रशासन के मुताबिक डिग्री कालेज सेल्फ फाइनेंस योजना के तहत संचालित पाठ्यक्रमों में शिक्षकों के चयन के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के पास विषय विशेषज्ञ के लिए प्रस्ताव भेजते हैं, लेकिन अक्सर देखा जा रहा है कि कालेज आधे-अधूरे प्रपत्रों के साथ प्रस्ताव उपलब्ध कराते हैं, जिससे विषय विशेषज्ञ नामित करने की कार्यवाही में मुश्किल होती है।

इसलिए निर्धारित गाइडलाइन का प्रस्ताव न आने पर विषय विशेषज्ञ नामित नहीं किया जाएगा। दो समाचार पत्रों में तीन दिवस के विज्ञापन की मूल प्रतियां, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित शुल्क लवि के खाते में आनलाइन जमा कर उसकी रसीद की प्रति, महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अनुमोदन पत्र की छायाप्रति, पदों के विज्ञापन की सूचना लवि की वेबसाइट पर अपलोड किए जाने की छायाप्रति।

अर्थशास्त्र में कोर्स वर्क शुरू हो गया

लखनऊ यूनिवर्सिटी में पीएचडी के नए छात्रों का कोर्स वर्क शुरू हो गया

LUCKNOW (25 May): एलयू के अर्थशास्त्र विभाग में गुरुवार को पीएचडी के नव प्रवेशित शोध स्टूडेंट्स का कोर्स वर्क शुरू हो गया. विभागाध्यक्ष प्रो. एम के अग्रवाल ने विभाग की विशिष्टताओं को बताते हुए सभी विद्यार्थियों का परिचय और उनकी रुचि के क्षेत्रों की जानकारी ली। संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद अवस्थी ने कहा कि यूजीसी और विश्वविद्यालय शोधार्थियों पर बड़ा निवेश कर रहा है. इसलिए सभी को समाज के लिए उपयोगी शोध करने की आवश्यकता है.

पीएचडी की कक्षाएं 29 मई से होंगी शुरू

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विषय में प्रवेश लेने वाले 2022-23 के विद्यार्थियों की कक्षाएं 29 मई से शुरू होंगी. विभाग के हेड प्रोफेसर पीयूष भार्गव ने गुरुवार को इसकी नोटिस जारी की है.

PIONEER PAGE 3

अनुसंधान में गुणात्मक शोध विधियों का इतिहास बहुत नयाः प्रो. दिनेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की तरफ से गुरुवार को शोध में गुणात्मक विधियों का परिचय विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर यू. सी. वशिष्ठ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग के विभागाध्यक्ष तथा संकायाध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश कुमार द्वारा विषय विशेषज्ञ का स्वागत करके किया गया। प्रोफेसर वशिष्ठ ने अपने व्याख्यान में शैक्षिक शोध की गुणात्मक विधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि अनुसंधान में गुणात्मक शोध विधियों का इतिहास बहुत नया है लेकिन अपनी वैशिष्टयता के कारण यह विभिन्न ज्ञानानुशासनों में बहुत तेजी से स्वीकार की जा रही है। प्रो. वशिष्ठ ने आगे कहा कि जिस तरह सत्य तक पहुंचने के अलग.अलग रास्ते हैं। ठीक है ऐसे ही शोध के वैद्य तथा विश्वसनीय निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए भी अलग-अलग विधियों तथा प्रविधियों का उपयोग किया जाता है। इसीलिए आवश्यक यह हो जाता है कि शोधार्थी अपने शोध की प्रकृति तथा और औचित्य के अनुरूप उचित शोध विधि का चयन करते हुए वास्तविक निष्कर्ष तक पहुंच सके। उन्होंने गुणात्मक अनुसंधान की विभिन्न विधियों जैसे घटनाक्रिया अनुसंधान, आधारित सिद्धांत, विश्लेषण विधि, नैदानिक केस अध्ययन, व्यष्टि अध्ययन, नृजतिक अध्ययन इत्यादि के विषय में विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने शोधार्थियों तथा स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान भी किया। व्याख्यान के अंत में प्रोफेसर मुनेश कुमार ने विषय विशेषज्ञ का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान शोधार्थियों सहित संकाय के डॉ हेमेंद्र सिंह, डॉ आकांक्षा सिंह डॉ नीतू सिंह डॉ सुमित गंगवार डॉ संजय सिंह यादव डॉ सूर्य नारायण गुप्ता डा देवेंद्र कुमार यादव तथा डॉ बीना इंद्राणी सहित संकाय के सदस्य उपस्थित रहे।

आर्थिक बदलावों ने उद्यमियों को प्रदान किये नये रचनात्मक अवसरः प्रो.अग्रवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में गुरुवार को नव प्रवेशित शोध छात्रों के बैच (2022.23) छह माह के कोर्स वर्क का शुभारंभ हुआ। नए प्रवेशित कोर्स वर्क के शोधकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो एम के अग्रवाल ने विभाग की विशिष्टताओं को बताते हुए सभी विद्यार्थियों का परिचय और उनकी रुचि के क्षेत्रों की जानकारी लिया।

प्रो अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक परिवेश में आर्थिक गतिविधियां बहुत तेजी से बदल रही है इसके कई सकारात्मक पहलू हैं। आर्थिक बदलावों ने उद्यमियों के लिए नई और रचनात्मक मौके प्रदान किए हैं। वैश्विक संगठनों, सरकारों और निवेशकों द्वारा नवाचारी विचारों की प्रोत्साहना देने से नए उद्यमों की विकास और रोजगार की सृजन की संभावनाएं बढ़ी हैं। तकनीकी प्रगति और डिजिटलीकरण आर्थिक गतिविधियों को सुगम और तेज़ बना रहे हैं। यह नये संभावित क्षेत्रों जैसे वित्तीय सेवाएं, ई.कॉमर्स, स्टार्टअप निवेश और वर्चुअल वाणिज्य को बढ़ावा दे रहा है। इससे आर्थिक गतिविधियों के लिए नए संभावित रुझान और समाधानों का प्रकटीकरण हुआ है। संकायाध्यक्ष प्रो अरविन्द अवस्थी ने विश्वविद्यालय के वातावरण से परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को उनकी ज़िम्मेदारियों का अहसास कराया और कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विश्वविद्यालय आप सब पर बड़ा निवेश कर रहा है। आप सभी को समाजोपयोगी शोध करने की आवश्यकता है। वरिष्ठ प्रो अरविंद मोहन ने विद्यार्थियों से अपील किया कि अपने अध्ययन के दौरान ऐसे विषय को शोध के लिए चुने जिससे समाज लाभान्वित हो और उसकी उपयोगिता हो। कोर्स वर्क में सम्मिलित शोधकर्ताओं को अर्थशास्त्र विभाग के प्रो अशोक कुमार कैथल, प्रो विनोद सिंह, प्रो रोली मिश्र ने संबोधित किया जिसमें विभाग के सभी शिक्षक एवं नवप्रवेशित शोध छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

छह माह का पीएचडी कोर्स वर्क शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

आयोजन

● **अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एमके अग्रवाल ने बताईं विभाग की खूबियां**

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में नव प्रवेशित शोध छात्रों के (बैच 2022-23) छह माह का कोर्स वर्क गुरुवार को शुरू हुआ। नए प्रवेशित कोर्स वर्क के शोधकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एमके अग्रवाल ने विभाग की विशिष्टताओं को बताते हुए सभी विद्यार्थियों का परिचय और उनकी रुचि के क्षेत्रों की जानकारी लिया।

प्रो. अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक परिवेश में आर्थिक गतिविधियां बहुत तेजी से बदल रही है इसके कई सकारात्मक पहलू हैं। आर्थिक बदलावों ने उद्यमियों के लिए नई और रचनात्मक मौके प्रदान किए हैं। वैश्विक संगठनों, सरकारों और निवेशकों की ओर से नवाचारी विचारों की प्रोत्साहना देने से नए उद्यमों की विकास और रोजगार की सृजन की संभावनाएं बढ़ी हैं। तकनीकी प्रगति और डिजिटलीकरण आर्थिक गतिविधियों को सुगम और तेज़ बना रहे हैं। यह नये संभावित क्षेत्रों जैसे वित्तीय सेवाएं, ई-कॉमर्स, स्टार्टअप निवेश और वर्चुअल व्यापार को बढ़ावा दे रहा है। इससे आर्थिक गतिविधियों के लिए नए संभावित रुझान और समाधानों का प्रकटीकरण हुआ है।

समाजोपयोगी शोध आवश्यक

संकायाध्यक्ष प्रो. अरविन्द अवस्थी ने विश्वविद्यालय के वातावरण से परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को उनकी ज़िम्मेदारियों का अहसास कराया और कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विश्वविद्यालय आप सब पर बड़ा निवेश कर रहा है आप सभी को समाजोपयोगी शोध करने की आवश्यकता है। वरिष्ठ प्रो. अरविंद मोहन ने विद्यार्थियों से अपील किया कि अपने अध्ययन के दौरान ऐसे विषय को शोध के लिए चुनें जिससे समाज लाभान्वित हो और उसकी उपयोगिता हो।

LOKSATYA PAGE 2

एलयू में गूंजी लेखकों की चुनिंदा रचनाएं

लखनऊ, लोकसत्य

हिंदुस्तानी अकादमी प्रयागराज, राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान व डेल्फिक असोसिएशन ऑफ़ उप्र के संयुक्त प्रयास से 'कैसे कहूँ' कार्यक्रम डीपीए हॉल, लखनऊ यूनिवर्सिटी में गुरुवार को हुआ। अध्यक्षता डॉ रामकृष्ण स्वर्णकार, आईपीएस ने की।

अतिथि के रूप में पद्मश्री डॉ. विद्याबिन्दु, वरिष्ठ साहित्यकार, वरिष्ठ कहानीकार, ग़ज़लकार आईएएस डॉ हरिओम व अमरनाथ उपाध्याय, कात्यायनी सिंह, डॉ महेंद्र भीष्म, तरुणा सिंह, डॉ शोभा त्रिपाठी व पंकज प्रसून मौजूद थे। संचालन राजेश श्रीवास्तव एवं डॉ सरल शर्मा ने किया।संस्थान के अध्यक्ष डॉ अखिलेश कुमार मिश्रा, आईएएस, के नेतृत्व में संस्थान की महामंत्री डॉ सीमा गुप्ता एवम संस्थान के ही घनानंद पांडेय मेघ, राम लखन यादव, श्री राम राज भारती, विपुल मिश्रा, इन्द्रासन सिंह इंदु, मनीष गुप्त कबीर, सुरेन्द्र शर्मा, पूर्णिमावेदार श्रीवास्तव, सुधा शुक्ला, श्वेता व सुरेन्द्र गौतम मौजूद थे।